# अमेरिका से आए कोयले में नकली कोयला पाउडर डस्ट मिलाकर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

## यूएसए से आयातित उच्च गुणवत्ता वाले कोयले में मिलावट कर रहा था

**जयपुर।** पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार के निर्देशन में इन दिनों कई बड़ी-बड़ी कार्यवाहियों को अंजाम दिया जा रहा है। राजस्थान पुलिस की सीआईडी क्राइम ब्रांच राजस्थान ने अवैध गतिविधियों और संगठित अपराधों के खिलाफ अपनी मुहिम में एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अपराध दिनेश एम एन के नेतृत्व में एक ऐसे शातिर गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है जो यूएसए से आयातित उच्च गुणवत्ता वाले कोयले (पेटकॉक) में मिलावट कर रहा था। इस गोरखधंधे से सीमेंट और स्टील फैक्ट्रियों को करोड़ों रुपये का चूना लगाया जा रहा था।

एडीजी एमएन ने बताया कि सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम को पिछले कुछ समय से यूएसए से आयातित उच्च गुणवत्ता वाले कोयले (पेटकॉक) की चोरी की सूचनाएं मिल रही थीं। मुखबिरों से मिली जानकारी के अनुसार गुजरात के कुछ कोयला माफियाओं ने पिण्डवाड़ा-आबूरोड नेशनल हाईवे 27 पर भुजेला स्थित तुलसी होटल के पीछे एक बंद पड़ी फैक्ट्री किराए पर ले रखी थी। ये शातिर



कोयले से भरे ट्रक को जब्त किया।

अपराधी ट्रक ड्राइवरों को मोटी रकम का लालच देकर उनके ट्रकों से 5 से 10 टन शुद्ध विदेशी कोयला निकलवा लेते थे और उसकी जगह उतनी ही मात्रा में नकली कोयला पाउडर डस्ट मिला देते थे। चोरी किए गए इस बेशकीमती कोयले को गिरोह द्वारा छोटी औद्योगिक इकाइयों को बेचकर लाखों रुपये की अवैध कमाई की जा रही थी।

पुलिस उप महानिरीक्षक अपराध योगेश यादव के समन्वय और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरोत्तम वर्मा के सुपरविजन में हेड कांस्टेबल रमेश कुमार की सूचना पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक फूलचंद टेलर और पुलिस निरीक्षक रामसिंह ने किया। टीम ने थाना रोहिडा सिरोही को सूचित कर यह कार्रवाई कराई। पुलिस में भुजेला हाईवे स्थित तुलसी होटल के पीछे की फैक्ट्री परिसर में धावा बोला। मौके से पुलिस ने दो ट्रक, एक लोडर, एक डोजर मशीन और कोयले से भरे ट्रक की सील तोड़ने का सामान जब्त किया। इस कार्रवाई के दौरान इरफान (32) निवासी राधनपुर जिला पाटन गुजरात को गिरफ्तार किया गया।

■ **शातिर अपराधी ट्रक ड्राइवरों को मोटी रकम का लालच देकर उनके ट्रकों से 5 से 10 टन शुद्ध विदेशी कोयला निकलवा लेते थे**

पूछताछ में आरोपी इरफान ने जो खुलासा किया, वह बेहद चौंकाने वाला था। उसने बताया कि वे ट्रक ड्राइवरों से 5-7 हजार रुपये प्रति टन के हिसाब से कोयला खरीदते थे और ट्रक में नकली डस्ट कोयला मिलाकर आगे भेज देते थे। इस तरह वे प्रतिदिन लगभग 15-20 टन कोयले की चोरी कर रहे था। जिससे उन्हें रोजाना लगभग 1 से 1.5 लाख रुपये की मोटी कमाई हो रही थी। सफल कार्यवाही में शामिल प्रमुख टीम के सदस्यों में पुलिस उपाधीक्षक फूलचन्द टेलर, पुलिस निरीक्षक रामसिंह नाथावत, सहायक उपनिरीक्षक बनवारीलाल, दुष्यन्त सिंह, हेड कांस्टेबल महेश सोमरा, शाहीद अली, राकेश कुमार, रमेश कुमार, हेमन्त शर्मा, महावीर, कांस्टेबल महेंद्र सिंह, कांस्टेबल चालक राजेश कुमार, पुलिस निरीक्षक रेन्ज सैल उदयपुर हिमांशु सिंह, हेड कांस्टेबल दिनेश, कांस्टेबल हिम्मत सिंह, थानाधिकारी रोहिड़ा माया पण्डित, हेड कांस्टेबल देवाराम, कांस्टेबल शंकरलाल, रमेश कुमार और चालक कांस्टेबल मोरमुकुट शामिल थे। हेड कांस्टेबल रमेश कुमार की सूचना इस कार्रवाई में निर्णायक साबित हुई।

# 91 आई.पी.एस. अधिकारियों के तबादले, राहुल प्रकाश को आई.जी. जयपुर रेंज लगाया

## गौरव श्रीवास्तव उदयपुर आई.जी. बने

**जयपुर।** राज्य सरकार ने शनिवार देर शाम आदेश जारी कर भारतीय पुलिस सेवा के 91आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। इनमें कई जिलों के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) और पुलिस अधीक्षक (एस.पी) बदले गए है।

राजेश मीणा का पदस्थापन महानिरीक्षक पुलिस, जोधपुर रेन्ज, जोधपुर में , हिंगलाजदान का महानिरीक्षक पुलिस, राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग, जयपुर, रवि दत्त गौड़ का महानिरीक्षक पुलिस, पुलिस मुख्यालय, जयपुर, गौरव श्रीवास्तव का महानिरीक्षक पुलिस, उदयपुर रेन्ज, उदयपुर, ओम प्रकाश-। का पुलिस आयुक्त, जोधपुर, शरत कविराज का महानिरीक्षक पुलिस, एस.ओ.जी., जयपुर, विकास कुमार का महानिरीक्षक पुलिस, आतंकवाद निरोधक दस्ता (ए.टी.एस.), जयपुर, दीपक कुमार का महानिरीक्षक, गृह विभाग, राजस्थान, जयपुर, राजेन्द्र सिंह का महानिरीक्षक पुलिस, अजमेर रेन्ज, अजमेर, अजय पाल लांबा का महानिरीक्षक पुलिस, एस.सी.आर.बी., जयपुर, अंशुमन भोमिया का महानिरीक्षक पुलिस, एस. एस. बी., जयपुर, राहुल प्रकाश का महानिरीक्षक पुलिस, जयपुर रेन्ज, जयपुर, हेमन्त कुमार शर्मा का महानिरीक्षक पुलिस, बीकानेर रेन्ज, बीकानेर, कैलाश चन्द्र बिश्नोई का महानिरीक्षक पुलिस, भरतपुर रेन्ज, भरतपुर, रणधीर सिंह का महानिरीक्षक पुलिस, आर्ड बटालियन, जयपुर, डॉ. प्रीति चन्द्रा का उप महानिरीक्षक पुलिस, आर्ल्ड बटालियन-प्रथम जयपुर, हरेन्द्र कुमार महावर का उप महानिरीक्षक पुलिस, एस.एस.बी., जोधपुर, राहुल कोटोकी का उप महानिरीक्षक पुलिस, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर, ओम प्रकाश-।। का उप महानिरीक्षक पुलिस, आर्ड बटालियन, जयपुर, राजेन्द्र प्रसाद गोयल का उप महानिरीक्षक पुलिस, कोटा रेन्ज, कोटा, कालू राम रावत का उप महानिरीक्षक पुलिस, पुलिस हाऊसिंग, राजस्थान, जयपुर, श्वेता धनखड़ का उप महानिरीक्षक पुलिस, सिविल राइट्स, पुलिस मुख्यालय, जयपुर, अजय सिंह का उप महानिरीक्षक पुलिस, सुरक्षा, जयपुर, योगेश यादव का उप महानिरीक्षक पुलिस, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स एवं आतंकवाद निरोधक दस्ता (ए.टी. एस.). जयपुर, कुंवर राष्ट्रदीप का उप महानिरीक्षक पुलिस स्टाफ ऑफिसर जयपुर, प्रदीप मोहन शर्मा का निदेशक, इन्टेलिजेन्स ट्रेनिंग एकेडमी, जयपुर, दीपक भार्गव का उप महानिरीक्षक पुलिस, सीआईडी (सी.बी.), पुलिस मुख्यालय जयपुर, मनीष अग्रवाल-।। का अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (1), पुलिस आयुक्तालय, जयपुर, विकास शर्मा का उप महानिरीक्षक पुलिस, साईबर क्राईम, राजस्थान, जयपुर, मनोज कुमार का उप महानिरीक्षक पुलिस, भर्ती एवं पदोन्नित बोर्ड, पुलिस मुख्यालय, राजस्थान, जयपुर, आनन्द शर्मा का उप महानिरीक्षक पुलिस, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो-।।, जयपुर, गौरव यादव का उप महानिरीक्षक पुलिस, मुख्यमंत्री सुरक्षा एवं मुख्यमंत्री सतर्कता, जयपुर, भुवन भूषण यादव का उप महानिरीक्षक पुलिस, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो. बीकानेर, प्रहलाद सिंह कृष्णिया, उप महानिरीक्षक पुलिस, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, उदयपुर, शरद चौधरी का उप महानिरीक्षक पुलिस, प्रशिक्षण, जयपुर, राजन दुष्यन्त का प्राचार्य, राजस्थान पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र किशनगढ़, अजमेर, शंकर दत्त शर्मा का उप निदेशक, राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर, राम मूर्ति जोशी का उप महानिरीक्षक पुलिस, आतंकवाद निरोधक दस्ता (ए.टी.एस.), जयपुर, अरशद अली का उप महानिरीक्षक पुलिस, कम्यूनिटी पॉलिसिंग, राजस्थान, जयपुर,आलोक श्रीवास्तव का उप महानिरीक्षक पुलिस, कार्मिक, पुलिस मुख्यालय, जयपुर, राशी डोगरा डुडी का पुलिस अधीक्षक, जयपुर ग्रामीण, ममता गुप्ता का पुलिस अधीक्षक, राजसमन्द, पूजा अवाना का पुलिस अधीक्षक, पाली, अभिजीत सिंह का पुलिस उपायुक्त, क्राइम, पुलिस आयुक्तालय, जयपुर,ओम प्रकाश मीना का पुलिस अधीक्षक, डीग, देवेन्द्र कुमार बिश्नोई का पुलिस अधीक्षक, कोटपूतली - बहरोड़, विनीत कुमार बंसल का पुलिस उपायुक्त (पश्चिम), जोधपुर शहर, पुलिस आयुक्तालय, जोधपुर, श्याम सिंह का पुलिस अधीक्षक-प्रथम, सी.आई.डी. (सी.बी.), जयपुर, नारायण टोगस का पुलिस अधीक्षक, जोधपुर ग्रामीण,तेजस्वनी गौतम का पुलिस अधीक्षक, कोटा शहर, कोटा,चूनाराम जाट का कमाण्डेन्ट, 5 बटालियन, आर.ए.सी., जयपुर, मनीष त्रिपाठी का पुलिस अधीक्षक, चित्तौड़गढ़, सुधीर जोशी का पुलिस अधीक्षक, बांसवाड़ा, राज कुमार चौधरी का पुलिस अधीक्षक, ए.टी.एस., जयपुर, संजीव नैन का पुलिस उपायुक्त, जयपुर शहर (पूर्व), पुलिस आयुक्तालय, जयपुर, अनिल कुमार का पुलिस अधीक्षक, सवाईमाधोपुर, मोनिका सेन का कमाण्डेन्ट, हाड़ी रानी बटालियन, अजमेर, ज्ञान चन्द्र यादव का पुलिस अधीक्षक, एस.ओ.जी., जयपुर, करण शर्मा का पुलिस उपायुक्त, जयपुर शहर (उत्तर) पुलिस आयुक्तालय, जयपुर,हनुमान प्रसाद मीणा का पुलिस उपायुक्त, जयपुर शहर (पश्चिम) पुलिस आयुक्तालय, जयपुर, राजेश कुमार कॉवट का पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय), पुलिस आयुक्तालय, जयपुर, सुधीर चौधरी का पुलिस अधीक्षक, अलवर, मृदुल कछावा का पुलिस अधीक्षक, नागौर, लोकेश सोनवाल का पुलिस अधीक्षक, करौली,रतन सिंह का पुलिस अधीक्षक, ब्यावर, डॉ. महावीर सिंह राणावत का पुलिस अधीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जयपुर, सतवीर सिंह का पुलिस अधीक्षक, इन्टेलिजेन्स, पुलिस मुख्यालय, जयपुर, सतनाम सिंह का पुलिस अधीक्षक, जी.आर.पी., जोधपुर, हर्ष वर्धन अगरवाला का पुलिस अधीक्षक (पुलिस मुख्यालय), सिविल राईट्स, जयपुर, डॉ. अमृता दुहन का पुलिस अधीक्षक, श्रीगंगानगर राजेश कुमार मीणा का पुलिस अधीक्षक, टॉक, रिचा तोमर का पुलिस अधीक्षक, डीडवाना कुचामन, डॉ. प्यारे लाल शिवरान का पुलिस अधीक्षक, सिरोही, दिगंत आनंद का पुलिस अधीक्षक, भरतपुर, राजर्षि राज वर्मा का पुलिस उपायुक्त, जयपुर शहर (दक्षिण), पुलिस आयुक्तालय, जयपुर, शैलेन्द्र सिंह इन्दोलिया का पुलिस अधीक्षक,जालौर, जयेष्ठा मैत्रयी का पुलिस अधीक्षक, सी.आई.डी., सी.बी.. जयपुर, विकास सांगवान का पुलिस अधीक्षक, धौलपुर, अमित कुमार का पुलिस अधीक्षक, झालावाड़, कुन्दन कंवरिया का पुलिस अधीक्षक, फलौदी,बृजेश ज्योति उपाध्याय का पुलिस अधीक्षक, झुन्झुनू, सुमित मेहरडा का पुलिस उपायुक्त (यातायात), पुलिस आयुक्तालय, जयपुर, प्रवीण नायक नूनावत का पुलिस अधीक्षक, सीकर,अमित जैन का पुलिस उपायुक्त (पूर्व), पुलिस आयुक्तालय, जोधपुर,शाहीन सी. का पुलिस उपायुक्त, मुख्यालय एवं यातायात, पुलिस आयुक्तालय, जोधपुर, अभिषेक शिवहरे का पुलिस अधीक्षक, जैसलमेर, रमेश का पुलिस अधीक्षक, बालोतरा,प्रशांत किरण का पुलिस अधीक्षक, भिवाडी, बी आदित्य का पुलिस अधीक्षक, प्रतापगढ़, अभिषेक अंडासु का पुलिस अधीक्षक, बारां, मनीष कुमार का पदस्थापन पुलिस अधीक्षक, डूंगरपुर में हुआ हैं।

# मानव तस्करी पर दो दिवसीय मंथन में लिया अपराधियों पर नकेल कसने का संकल्प

**जयपुर।** राजस्थान पुलिस की मानव तस्करी विरोधी इकाई ने 18 और 19 जुलाई को राजस्थान पुलिस अकादमी में दो दिवसीय राज्य-स्तरीय सम्मेलन का सफल आयोजन किया। इस महत्वपूर्ण पहल का उद्देश्य मानव तस्करी के सभी रूपों से निपटने के लिए एक मजबूत और समन्वित रणनीति तैयार करना था, जिसमें बंधुआ मजदूरी, यौन तस्करी, सीमा पार तस्करी और ऑनलाइन बाल यौन शोषण जैसे गंभीर मुद्दे शामिल थे।

समापन समारोह में बोलते हुए पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने मानव तस्करी की वैश्विक और स्थानीय चुनौती को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि तस्करी अपने सभी रूपों में एक गंभीर समस्या है, न केवल यहां, बल्कि पूरी दुनिया में। समस्या बहुत बड़ी है, लेकिन हमारी प्रतिक्रिया अभी भी कम पड़ रही है। हमें अपने प्रयासों में महत्वपूर्ण सुधार करने की आवश्यकता है।डीजीपी शर्मा ने बचाव अभियानों के बाद बच्चों के फिर से तस्करी की स्थितियों में लौटने पर चिंता व्यक्त की, जो पुलिस, अन्य सरकारी विभागों और नागरिक समाज संगठनों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता को दर्शाता है। उन्होंने विशेष रूप से अंतरराज्यीय तस्करी से निपटने के लिए एक अंतरराज्यीय सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया।

डीजीपी शर्मा ने संगठित अपराधों, विशेषकर तस्करी के मामलों में गहन जांच की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि क्या हम असली अपराधियों की पहचान कर रहे हैं, या सिर्फ बचाव के दौरान मौके पर पाए गए कुछ व्यक्तियों पर ही आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने मजबूत मामले बनाने और अदालतों में सफल अभियोजन सुनिश्चित करने के लिए गहन जांच को आवश्यक बताया। पुलिस महानिदेशक मानव अधिकार और एएचटीयू मालिनी अग्रवाल ने बताया कि यह सम्मेलन गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुरूप राजस्थान पुलिस की मानव अधिकार एवं मानव तस्करी विरोधी शाखा के नेतृत्व में आयोजित किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य मानव तस्करी के उभरते रुझानों को समझना, जांच के तरीकों में सुधार करना, पीड़ितों की पहचान और बचाव, बचे हुए लोगों का प्रभावी पुनर्वास, और तस्करों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई लागू करना था। डीजीपी अग्रवाल ने मानव तस्करी को व्यक्तियों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने वाला एक गंभीर, संगठित और संज्ञेय अपराध बताया।

# न्यायिक कर्मचारियों का सामूहिक अवकाश जारी, अफसरों की 25 को बैठक

**जयपुर।** कैडर पुनर्गठन की मांग को लेकर प्रदेश के न्यायिक कर्मचारियों का सामूहिक अवकाश दूसरे दिन भी जारी रहा। जिसके चलते प्रदेश की अदालतों में कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ। अदालतों ने मुकदमों में आगामी दिनों की तारीखें दी। वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 25 जुलाई को बैठक बुलाई है। जिसमें हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के साथ-साथ प्रमुख वित्त और प्रमुख विधि सचिव को बुलाया गया है।

प्रदेश न्यायिक कर्मचारी संघ के प्रवक्ता योगेश महर्षि ने बताया कि शनिवार को कर्मचारियों ने कोर्ट परिसर में रैली निकालकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। वहीं सीजे सहित अन्य के नाम ज्ञापन दिया गया। दूसरी ओर कुछ कर्मचारी भूख हड़ताल में शामिल हुए।

# राजस्थान पुलिस कर्मियों के बच्चों को फीस में 50 प्रतिशत की छूट

**जयपुर।** राजस्थान पुलिस, विभाग के समस्त कर्मचारियों के बच्चों को कक्षा 8वीं से 12वीं तक तथा 12वीं पास के विद्यार्थियों हेतु प्री-फाउंडेशन, ओलंपियाड, नीट, आईआईटी, जेईई, एसएससी एवं आरएएस जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग में क्लास 24 कोचिंग संस्थान 50 फीसदी की छूट देगा।पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि पुलिस कर्मियों के बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन अवसर उपलब्ध करवाने में ये पहल काफी सहायक सिद्ध होगी। इससे न केवल पुलिस कर्मियों के बच्चों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मदद मिलेगी, बल्कि पुलिसकर्मी भी अपनी पारिवारिक जिम्मेदारी अच्छे से वहन कर सकेंगे और इसका सकारात्मक प्रभाव पुलिस कर्मचारियों की कार्यक्षमता पर भी पड़ेगा। जोसफ ने बताया कि पुलिस कार्मिकों की कार्यकुशलता बढ़ाने और उनमें सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने के लिए इस तरह की पहल होती रहें। समाज में अपराध मुक्त वातावरण के लिए पुलिस का सकारात्मक ऊर्जा से भरा होना जरूरी है।

# राजस्थान में साइबर अपराधों पर पुलिस का शिकंजा

## धोखाधड़ी की रकम में कमी आई

**जयपुर।** राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियानों और व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रमों के कारण राज्य में साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण देखने को मिल रहा है। पुलिस महानिदेशक साइबर क्राइम राजस्थान जयपुर के कार्यालय के अनुसार साइबर धोखाधड़ी से संबंधित धन राशि में उल्लेखनीय कमी आई है,जबकि होल्ड-रिफंड की राशि में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

एसपी साइबर क्राइम शांतनु कुमार सिंह ने बताया कि राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 और व्हाट्सएप साइबर हेल्पलाइन नंबर 9256001930, 9257510100 की शुरुआत के साथ-साथ प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में जारी एडवाइजरी के चलते आमजन में साइबर जागरूकता बढ़ी है। इसी का परिणाम है कि लोग या तो साइबर अपराधों का शिकार होने से बच पा रहे हैं या तुरंत रिपोर्टिंग के कारण त्वरित कार्रवाई संभव हो पा रही है।एसपी सिंह ने बताया कि इन आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि वर्ष 2024 और 2025 के पहले 6 महीनों की तुलना में साइबर अपराधों में शामिल कुल धनराशि में लगभग 26 करोड़ की कमी आई है। वहीं, बैंक/पेमेंट पोर्टल पर होल्ड/अकाउंट फ्रीज की गई राशि में लगभग 23 करोड़ की वृद्धि हुई है। यह दर्शाता है कि पुलिस की त्वरित कार्रवाई से ठगी गई राशि को रोकने और वापस दिलाने में बड़ी सफलता मिल रही है।

■ **6 महीनों की तुलना में साइबर अपराधों में शामिल कुल धनराशि में लगभग 26 करोड़ की कमी आई है**

राजस्थान पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की साइबर क्राइम घटना होने पर तुरंत इसकी सूचना दें। यह सफलता राजस्थान पुलिस की साइबर सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता और प्रभावी कार्रवाई का परिणाम है।

# फिर आ रहा है फोटोग्राफी का महाकुंभ, 30 तक कर सकेंगे आवेदन

**जयपुर।** राजस्थान फोटो फेस्टिवल के तहत जयपुर में एक बार फिर बहुप्रतीक्षित ''फोटोग्राफी महाकुंभ'' ''नजर फोटो एग्जिबिशन'' का आयोजन किया जा रहा है। जवाहर कला केन्द्र में एग्जिबिशन का चौथा सीज़न 24 से 26 अगस्त तक होगा। यह तीन दिवसीय भव्य आयोजन भारतवर्ष के फोटोग्राफी प्रेमियों और पेशेवरों के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगा। यह आयोजन अपनी विशालता और विविधता के लिए जाना जाता है, जिसमें 300 से अधिक प्रतिभागी और 600 से अधिक उत्कृष्ट तस्वीरें प्रदर्शित की जाती हैं। यह एकमात्र ऐसा फेस्टिवल है जहां प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर भारतवर्ष के फोटो पत्रकार, वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर, डॉक्टर, फोटोग्राफी के छात्र और पेशेवर फोटोग्राफर भी हिस्सा लेते हैं। यह राजस्थान की सबसे बड़ी एग्जिबिशन हे।इसमें कई देशों और कई राज्यों के कलाकार अपनी प्रतिभागिता दर्ज करवा चुके हैं। इस प्रदर्शनी में मोबाइल फोन से खींचे गए फोटो को भी प्रदर्शित किए जाते हैं।

# पौधारोपण कर स्वतंत्रता सेनानी को दी श्रद्धांजलि

**जयपुर।** भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नारायण मीणा ने कहा है कि हर व्यक्ति को पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए पेड़ लगाना चाहिए, क्योंकि यही आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ा उपहार है। वे यह बात कस्तूरी देवी शैक्षिणक विकास एवं सामाजिक शोध संस्थान की ओर से स्वतंत्रता सेनानी मूलचंद चंदेल की स्मृति में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मीणा ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के सच्चे सिपाही मूलचंद चंदेल ने देश की आज़ादी के लिए गुजरात में लगातार संघर्ष किया। उन्होंने अपने जीवन में देशहित को सर्वोपरि रखा और युवाओं को प्रेरणा दी कि वे भी देश और समाज के लिए योगदान दें। मीणा ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति में इस प्रकार के आयोजन करना हमारा कर्तव्य है।

■ **भाजपा नेता नारायण मीणा बोले- पेड़ लगाना समय की जरूरत**

स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत प्रचार प्रमुख और पूर्व पंचायत समिति सदस्य डॉ. धर्मवीर चंदेल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज के समय की सबसे बड़ी ज़रूरत है।

इस मौक़े पर उप प्रचार्य डॉ.शिवकुमार शर्मा,भारतीय किसान संघ के प्रांत सह प्रचार प्रमुख डॉ.लोकेश कुमार चन्देल, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तहसील अध्यक्ष मूलचन्द् मीना, विकास कुमार जामडोली, भाजपा नेता किशन बेनीवाल आदि लोग मौजूद थे।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षक, छात्र और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। सबने मिलकर पौधरोपण किया और पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। इस अवसर पर वक्ताओं ने मूलचंद चंदेल के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनकी तरह निस्वार्थ सेवा ही देश की असली पूंजी है।

# सावन की रंगीन फिज़ाओं में लगा ग्लैमर का तड़का

**जयपुर।** सावन की फुहारों और मानसून की ठंडी फिज़ाओं के बीच होटल सफ़ारी ग्रुप के सहयोग से मिस एंड मिसेज इंडिया ग्लैम ऑर्गेनाइजेशन की ओर से निर्माण नगर मानसरोवर स्थित होटल प्राइम सफारी में ''इंडिया ग्लैम लहरिया उत्सव 2025'' का आयोजन किया गया।

■ **इंडिया ग्लैम मॉडल्स ने फोटोशूट में लहरिया के लेटेस्ट फैशन ट्रेंड्स की देखने को मिली झलक**

इंडिया ग्लैम मॉडल्स ने मंदाकनी साडीज् एवं रेडियंस स्टुडियो वाय रितु अरोड़ा के स्पेशल आउटफ़िट लहरिया फैशन को सावन के रंग, लहरिया के अंदाज़ और ग्लैमर की बहार के साथ बड़ी ही खूबसूरती के साथ अपने ही अंदाज में पेश किया।

मिस एंड मिसेज इंडिया ग्लैम के डायरेक्टर पवन टांक ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य जयपुर की पारंपरिक लहरिया संस्कृति को आधुनिक फैशन के साथ जोड़कर नए अंदाज़ में प्रस्तुत करना था। सभी ने सावन में रंगों के संगम को सेलिब्रेट करते हुए फोटोशूट एक्टिविटी के साथ साथ भरपूर डांस और म्यूज़िक एवं मज़ेदार गेम्स का भी लुत्फ उठाया। बारिश की ठंडी फिज़ाओं और रंग-बिरंगे डिज़ाइनों के बीच मेहमानों ने सावन के इस जश्न को यादगार पलों में संजो लिया। इस दौरान मिस एंड मिसेज इंडिया ग्लैम की विनर्स ओर अन्य सभी मॉडल्स ने भगवान शिव पार्वती और राधा कृष्ण के झूले पर झूलते हुए चित्र के समक्ष अपनी अपनी बेहतरीन परफ़ॉर्मेंस से सावन के मदमस्त माहौल को ख़ुशनुमा बनाते हुए साकार किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ क्रेडाई राजस्थान के नव निर्वाचित अध्यक्ष रविन्द्र प्रताप सिंह, समाजसेवी पवन गोयल, प्रमोद गोयल, जेडी माहेश्वरी, राजस्थान यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र यादव, नवीन मन्ड्डा , एसके ज्वेलर्स के चेयरमैन संजय जोशी, मंदाकनी साडीज् के डायरेक्टर किशन जोगानी प्रशांत पोद्दार, अजोर के डायरेक्टर समाजसेवी युवराज सिंह, जाट पोलो क्लब एवं जाट एवियंस के डायरेक्टर कुंवर विजय राज, बेराला ग्रुप के चेयरमैन भगवान निठारवाल, रेडियंस स्टूडियो की डायरेक्टर रितु अरोड़ा, विनिंग वेगा वेलनेस सेंटर की निदेशक शमिता शर्मा, इंडिया ग्लैम के मैनेजिंग डायरेक्टर श्याम लाल गुप्ता, सीईओ कीर्ति टांक एवं ज्योति टांक ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

# जिला कलक्टर ने की स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा

**जयपुर ।** जिला कलेक्ट्रेट सभागार में शनिवार को आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने सभी प्रमुख स्वास्थ्य कार्यक्रमों की गहन समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में सर्वप्रथम स्कूल हैल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम कक्षा 6 से 12 में अध्ययनरत 10-19 वर्ष आयुवर्ग के विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक, सांस्कृतिक व शैक्षिणक उन्नयन पर आधारित है। कार्यक्रम तृतीय चरण में जयपुर जिले को शामिल किया है। यह कार्यक्रम चिकित्सा विभाग व शिक्षा विभाग के संयुक्त समन्वय से संचालित किया जाएगा। जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को गंभीरतापूर्वक कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिए। नियमित टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान अध्यक्ष महोदय ने आगामी 14 अगस्त तक आयोजित होने वाले विशेष टीकाकरण अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु निर्देशित किया। उन्होंने आगामी 24 जुलाई, गुरुवार को जिले में टीकाकरण हेतु विशेष अभियान चलाए जाने के निर्देश दिए। इस हेतु आगामी 22 जुलाई को ब्लॉक स्तरीय जन-जागरूकता रैली आयोजित करने के निर्देश दिए। इसके बाद टीबी मुक्त अभियान के अंतर्गत चर्चा हुई। इस दौरान जिला कलक्टर ने अभियान में उत्तरोत्तर प्रगति किए जाने के निर्देश दिए। गैर संचारी रोग कार्यक्रम पर चर्चा के दौरान उन्होंने शहरी क्षेत्र में अपेक्षित प्रगति लाए जाने के निर्देश दिए। वय- वंदन योजना की प्रगति में असंतोष जाहिर करते हुए अध्यक्ष महोदय ने योजना में लाभार्थियों का अधिकाधिक पंजीकरण किए जाने के निर्देश दिए।

# जालूपुरा पुलिस ने एटीएम कार्ड व अवैध सिम का पार्सल जब्त किया

**जयपुर।** राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स की सूचना पर जयपुर के जालूपुरा थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए एक कोरियर पार्सल जब्त किया है, जिसमें बड़ी संख्या में अवैध मोबाइल सिम कार्ड, एटीएम कार्ड और बैंक पासबुक जैसी संदिग्ध वस्तुएं मिली हैं। यह पार्सल महाराष्ट्र भेजा जा रहा था और माना जा रहा है कि इसका इस्तेमाल अपराधिक गतिविधियों में किया जाना था।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ) दिनेश एमएन के निर्देशन और उप पुलिस महानिरीक्षक योगेश यादव व सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में एक विशेष टीम गठित की गई। इस टीम का नेतृत्व इंस्पेक्टर राम सिंह नाथावत ने किया।

एडीजी एमएन ने बताया कि एजीटीएफ से मिली विशेष सूचना के आधार पर जालूपुरा थाना पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की।

पुलिस को जानकारी मिली थी कि पोलोविक्ट्री स्थित जैन पार्श्वनाथ ट्रेवल्स से एक संदिग्ध पार्सल नागपुर



पुलिस ने कोरियर पार्सल में अवैध मोबाइल सिम कार्ड, एटीएम कार्ड और बैंक पासबुक जब्त किए ।

भेजा जा रहा है। जिसमें अवैध सिम और एटीएम कार्ड हो सकते हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत ट्रेवल्स पर दबिश दी। ट्रेवल्स कर्मचारी बलवंत सिंह बैढ़ा ने बताया कि पार्सल ''विजय सण्डे नागपुर'' के नाम से बुक किया गया था और बस खराब होने के कारण अभी वहीं रखा है। भेजने वाले ने इसे मकान की रजिस्ट्री के कागजात बताया था।

■ **मोबाइल नंबर के आधार पर पुलिस जुटी जांच मेंमहाराष्ट्र में सप्लाई होना था पार्सल**

स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में जब पार्सल खोला गया तो पुलिस टीम हैरान रह गई। पार्सल के अंदर एक कैरी बैग में बैंक ऑफ महाराष्ट्र की तीन असली सेविंग बैंक पासबुक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र के तीन रुपये डेबिट कार्ड और इंडियन ओवरसीज बैंक के छह क्लासिक डेबिट प्रीपेड कार्ड रूपये मिले।

इसके अलावा चार मोबाइल सिम के खाली रैपर कार्ड और विभिन्न बैंकों की निर्देशिका पुस्तिका वाले लिफाफे भी जब्त किए गए। पुलिस को संदेह है कि गरीब और सीधे-सादे लोगों के नाम पर फर्जी बैंक खाते, सिम डेबिट कार्ड जारी कराये गये है।

जिनका इस्तेमाल अपराधिक गतिविधियों और साइबर ठगी में किया जा रहा था। यह एक बड़े क्राइम सिंडिकेट का हिस्सा हो सकता है।

इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस ने सभी जब्त दस्तावेजों और ट्रेवल्स की मूल बिल्टी को जांच के लिए अपने कब्जे में ले लिया है।

इस रैकेट के पीछे कौन है और यह कितने बड़े पैमाने पर फैला हुआ है, इसकी विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस अब इस रैकेट के मास्टरमाइंड तक पहुंचने के लिए सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल और मोबाइल नंबरों के आधार पर गहन जांच में जुटी है।

इस सफल कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में इंस्पेक्टर राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल हेमंत शर्मा (जिनकी सूचना पर यह कार्रवाई की गई), उपनिरीक्षक प्रताप सिंह, सहायक उप निरीक्षक बनवारी लाल, हेड कांस्टेबल महेश सोमरा, महावीर, देवेंद्र, कांस्टेबल गंगाराम, गोपाल धाबाई, विजय सिंह और जितेंद्र कुमार के साथ थाना जालूपुरा की उपनिरीक्षक माया मीणा और उनकी टीम का भी विशेष योगदान रहा।

## मोबाइल लूटकर भागे बदमाशों की फायरिंग में एक युवक को लगी गोली

**जयपुर।** बजाज नगर थाना इलाके में शुक्रवार-शनिवार की मध्यरात्रि को मोबाइल लूटकर भागे बदमाशों की फायरिंग में एक युवक को गोली लग गई।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती करवाया। वही पुलिस ने वारदात स्थल पर मिली कार को जब्त कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। सहायक पुलिस आयुक्त मालवीय नगर आदित्य पूनिया ने बताया कि फायरिंग में बजाज नगर के बरकत नगर निवासी फिरोज के पेट में गोली लगी है। वह टोंक पुलिया स्थित गट्टे वाले बाबा की दरगाह के पास प्रसाद की दुकान लगाता है।